# पाँच हजार न रोटी खुआई

JESUS FEEDING MORE THAN 5000 PEOPLE

Merwari

# पाँच हजार न रोटी खुआई

JESUS FEEDING MORE THAN 5000 PEOPLE

Images by © 2021 Sweet publishing.
Prepared By CBL Team.

Merwari
Ajmer, Rajasthan, India

Copyright © 2021, NLCI

http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/
You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Basic Book in Merwari Language
(Red Level Book-6)

प्रकाशन:-
राजस्थान इनिशिएटिव
बंगला न. 34
कुन्दन नगर श्रीनाथ मन्दिर रोड़
अजमेर 305001,राजस्थान

# दो बात

प्रभु की दया से हम मेरवाड़ी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे है। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें प्रभु यीशु ने दो मछली और पाँच रोटी से पाँच हजार से अधीक लोगो को किस प्रकार खाना खिलाया के बारे में बहुत ही कम शब्दों में और बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है, जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सकें और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें। हमारी यही प्रार्थना है की हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढने लिखने मे सक्षम बन सके।

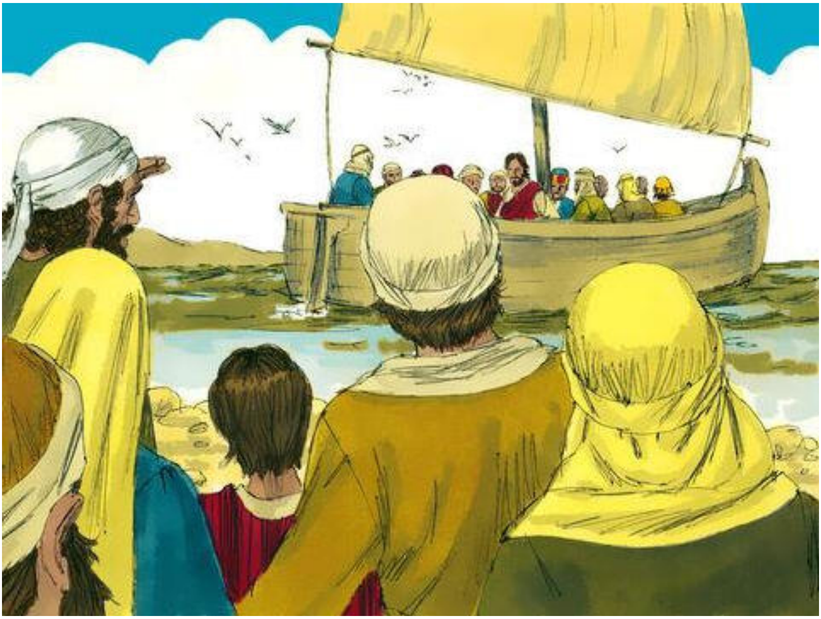

एक बारि ईसू ऐर चेला नाउँ म
बेटर हूनि ठोड़ म गिया।
च्युँकि मनकँ कि टोळि ब्याँके
कन्नअ कि कन्नअ ई रेवे ई।
ऐर ब्यानअ हाँस खाबा को बी
टेम न मलतो हो।

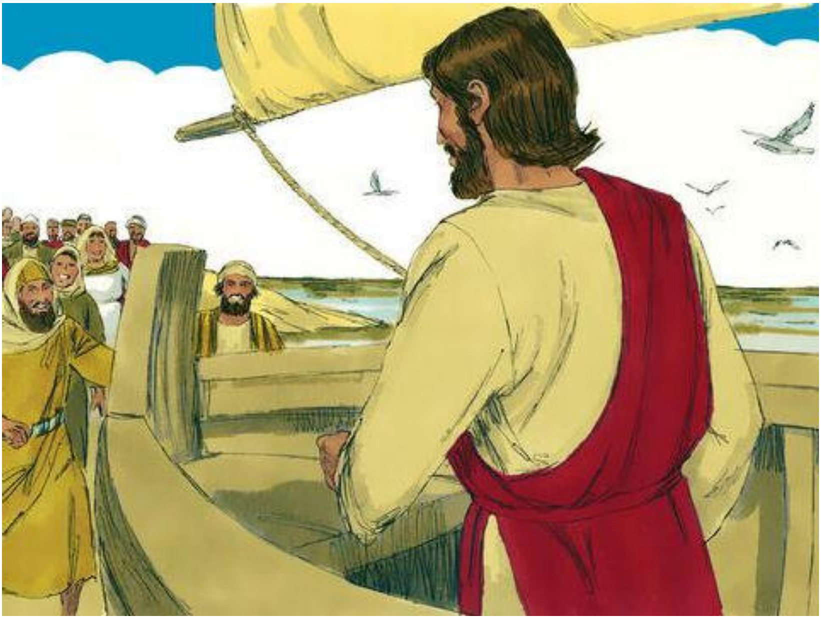

ऐर मनक ब्यानअ जातोड़न देक लिया। ऐर बे हगळा पाळा-पाळा ई बि ठोड़ जाबा ति दोड़या। ऐर मनक ब्याऊँ पेलि बि हूनि ठोड़ पलज्या।

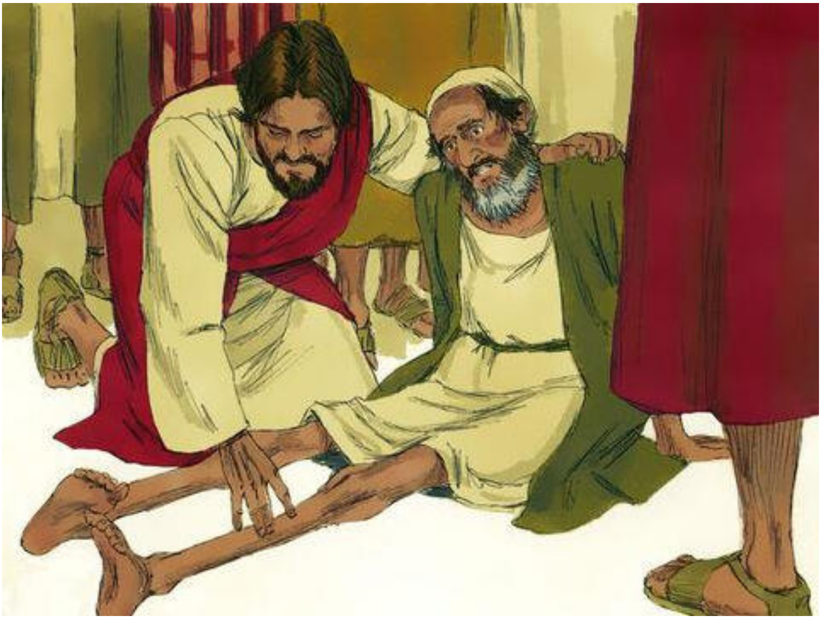

ईसू मनकँ न देकर ब्याँ परँ दिया करि। ईसू फेर ब्य़ानअ ओर बि नरी बातँ हकाबा लाज्यो।
जदँ अंदारो पड़बा लागज्यो हो बि टेम चेला ईसू कनअ आया।

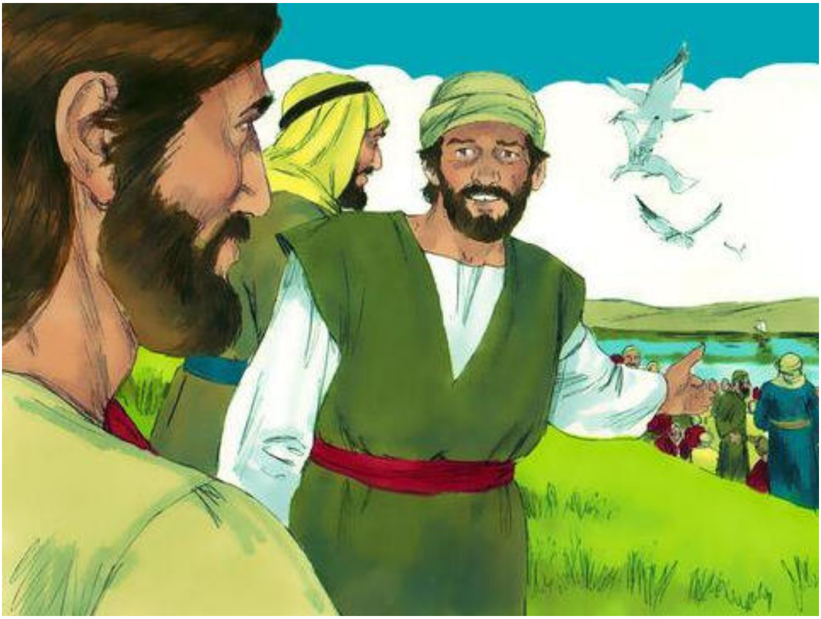

ऐर ईसू न कियो, यानअ कनअ
का गाऊँ म खंदा ज्ये। क ऐ
खुदकेती रोटि को बंदोबस कर
ल्येवे।
ईसू ब्यानअ कियो के थेई यानअ
खाबाकेती द्येवो।

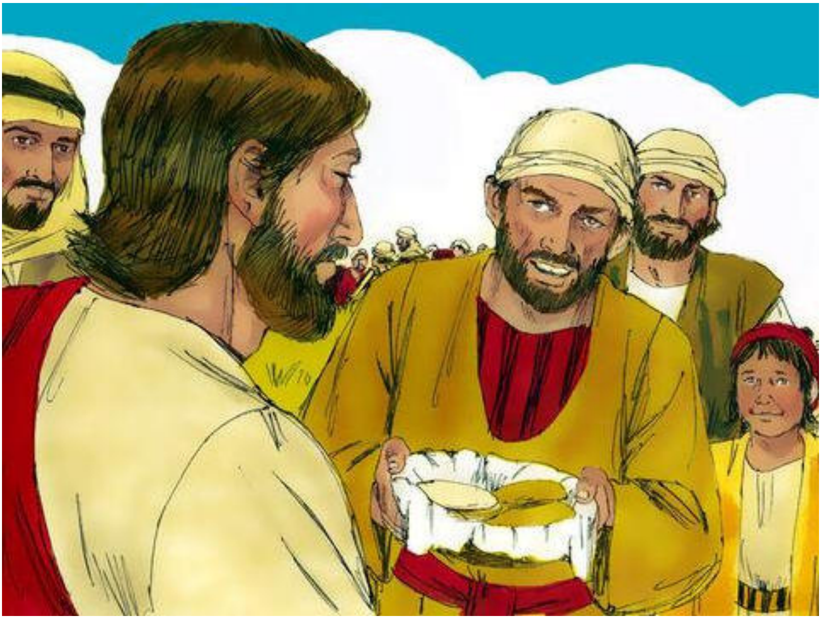

चेला जुआब दियो, दो सौ दिनार
कि रोटयँ बि याकेती कम पड़ई।
ईसू कियो, जार देको थाँके
कनअ कतरी रोटयँ है?
बे हमाळ करर कियो, पाँच
रोटयँ ऐर दो माछल्यँ है।

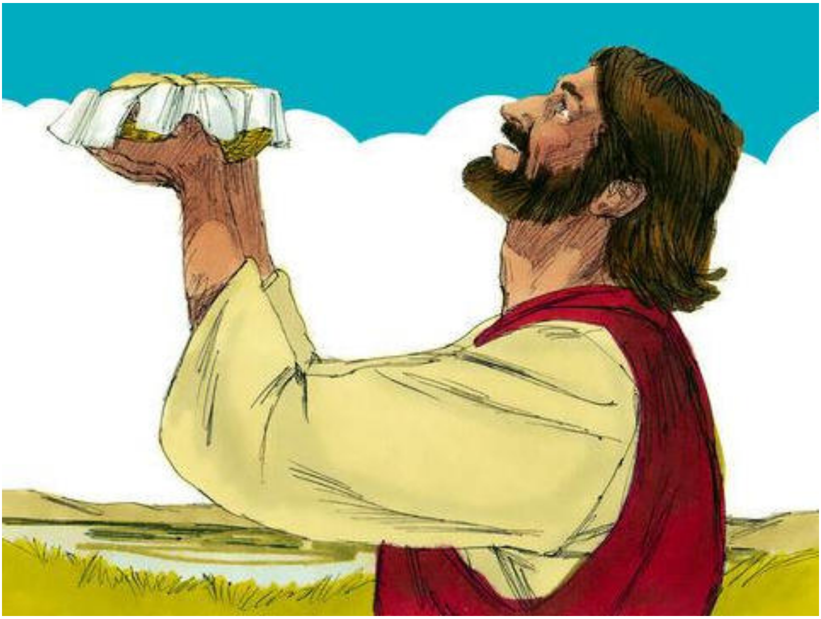

ईसू चेलाँ न कियो हगळाँ न एक
हीद म बेटाण ज्यो।
ईसू बे पाँच रोटयाँ ऐर दो
माछल्याँ न लियो,
ऐर हरग के दिनअ उटार परमेसर
न धञ्यबाद दियो ।

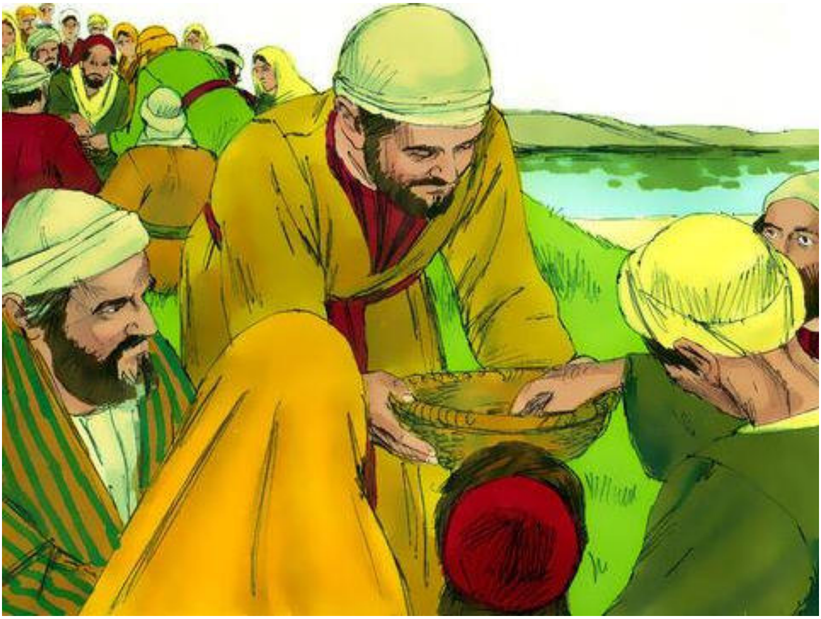

पचँ ईसू रोटयँ तोड
तोडर चेलँ न द्येबा
लाज्यो।
ऐर बे दो माछल्यँ बि
हगळँ म बाँट दि।

बे रोटयँ खार हगळँ को पेट भरज्यो।

हगळँ के खाबा के पचँ बि बारा टोकरा बचज्या।

रोटयँ खाबळँ म पाँच हजार तो मोटयार ई हा।

यह किताब एन.एल.सी.आई के द्वारा तैयार की गयी है। हम मातृ भाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अंतर्गत हम अपने क्षेत्र के अलग अलग भागों में सेवा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें और पढ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें। हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते है। इसलिये हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिये जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते है, उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें। हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षण ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिए तथा बच्चों के लिए भी अलग-अलग तरह कि पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी भाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि, हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

॥धन्यवाद॥

Let's grow a library
Bloom®